Kusum Rathore
Assistant Professor
Department of Education

Topic: सामुदायिक सेवा एवम इसकी उपयोगिता

रूपरेखा:-

- समुदाय का अर्थ
- सामुदायिक सेवा से तात्पर्य
- सामुदायिक सेवा की परिभाषाए
- सामुदायिक सेवा की विशेषताए
- सामुदायिक सेवा के उद्देश्य

समुदाय का अर्थ (Meaning of community)

सामुदायिक सेवा से तात्पर्य (Meaning of community service):-

इस प्रकार सामुदायिक सेवा से तात्पर्य समुदाय में निवास करने वाले लोगों के हितों के लिए किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रयासों से हैं जिससे उन्हें किसी प्रकार की सहायता प्राप्त होती है अथवा उनकी किसी प्रकार की समस्या का समाधान होता है। अथवा उनकी जीवन की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सामुदायिक सेवा की परिभाषाएं

योजना आयोग के अनुसार:- जनता द्वारा स्वयं ही अपने प्रयासों से ग्रामीण जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन लाने का प्रयास सामुदायिक सेवा (प्रयास) है।

आई सी जैक्सन के अनुसार:- सामुदायिक सेवा (विकास) किसी समुदाय को स्वयं काम करने के लिए प्रोत्साहित करने तथा भौतिक और आध्यात्मिक रूप से सामुदायिक
जीवन को समृद्ध बनाने के लिए कदम उठाने को प्रेरित करता है।

सामुदायिक सेवा की विशेषताएं (Characteristics of community service):-

1. जनकल्याण से

2.गैर भुगतान वालाँ कार्य (Unpaid service)

3.ऐच्छिक एवं अनिवार्य (Voluntary and Compulsory)

4. निस्वार्थ भाव (Feeling of selfless)

5. परस्पर न्याय एवं सम्मान (Mutual Justice and Respect)

6. सकारात्मक प्रभाव (Positive effect)

7. क्षमता निर्माण (Capacity building)

8.सहयोगात्मक प्रकृति (Collaborative nature)

9.शासकीय एवं निजी प्रयास (Government and private effort)

10.सहभागिता पर आधारित (Based of partcipation)

11. व्यापकता (Wider)

12.यक्तिगत एवं सामूहिक सेवा (Individual and collective services)

सामुदायिक कार्य के उद्देश्य (objectives of community services):-

1. व्यक्तियों में सामाजिक चेतना का विकास करना है।
2. व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की सामाजिक समस्याओं की जानकारी प्रदान करना।
3. विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करना।
4. विद्यार्थियों के ज्ञान एवं अनुभव में वृद्धि करना।
5. समुदाय के लोगों में समस्या समाधान की योग्यता का विकास करना।

6.विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि करना।

7. विद्यार्थियों को स्वयं तथा समुदाय के संबंध को समझने में सहायता प्रदान करना।

8. विद्यार्थियों में नैतिक गुणों का विकास करना। 3 विद्यार्थियों में नेतृत्व गुणों का विकास करना।

10 विद्यार्थियों में प्रजातांत्रिक गुणों का विकास करना।

11. शिक्षा को समाज के साथ जोड़ना, इत्यादि ।

सामुदायिक कार्य हेतु विद्यालयी कार्यक्रम

1. विद्यालय को प्रोढ शिक्षा, मनोरंजन, खेलकूद आदि प्रवृतियों का केन्द्र बनाया जाना चाहिये। विद्यालय भवन खेल के मैदान, पुस्तकालय, वाचनालय तथा अन्य साधन सुविधाओं का विद्यालय व समुदाय की सम्मिलित प्रवृतियों तथा प्रोढ शिक्षा के कार्य हेतु उपयोग किया जाना चाहिये।

2. विद्यालय को समुदाय को अपने शैक्षिक कार्यक्रम का ज्ञान समय समय पर देते रहना चाहिए क्योंकि समुदाय अपने बच्चों को विद्यालय में भेजता है। समुदाय यह भी जानने की अपेक्षा करता है कि विद्यालय उनके लिये क्या कर रहा है। इसके लिए विद्यालय प्रगति रिपोर्ट, पत्रिका डियाजन आदि के माध्यम से जानकारी दे सकता है।

3. विद्यालय समुदाय के ऐतिहासिक धार्मिक, वैज्ञानिक तथा शैक्षिक स्थलों पर विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण ले जाने का प्रबंध करें। इससे बच्चों को समुदाय के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा कि समाज हमारे लिए क्या सुविधायें प्रदान कर रहा है।

4. सामुदायिक सेवा कार्यो द्वारा भी विद्यालय समुदाय बढ़ाने चाहिये। सामुदायिक विकास या सेवा कार्यो की विभिन्न प्रयोजनाओं के रूप् में प्रभावशाली बनाने का प्रयास किया जाना चाहिये। विद्यालय सामुदायिक हित के लिए सार्वजनिक सफाई, वृक्षारोपण पेयजल की व्यवस्था, प्रौढशिक्षा इत्यादि प्रायोजनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

5. सामुदायिक सर्वेक्षण द्वारा समुदाय की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उनके निराकरण के उपाय सुझाये जा सकते हैं। सर्वेक्षणों द्वारा विद्यालय समुदाय के संबंध सुदृढ़ होते हैं तथा एक दूसरे को समझने का मौका मिलता है।

6. विद्यालयों को विभिन्न व्यवस्थाओं एवं उद्योगों की शिक्षा देनी चाहिये जिसे पाकर समाज के सदस्य आर्थिक क्षेत्रा में
सफलता प्राप्त कर सके। समुदाय को विभिन्न व्यवसायों की शिक्षा देने के लिये विद्यालय को आर्थिक रूप् से सहायता
देनी चाहिये।

7. विद्यालय को समय समय पर खेलकूद एवं विभिन्न साहित्यक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिये
और इन अवसरों पर समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित करना चाहिये।

8. विद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) (एन.सी.सी) (स्काऊटिंग) इत्यादि कैंप लगाकर भी समुदाय में व्याप्त असंगितों को दूर कर सके उसे सहयोग प्रदान कर सकता है।

9. विद्यालय समुदाय के पिछडे वर्ग के बच्चों को बुक बैंक के माध्यम से मुफत पुस्तकें उपलब्ध करा सकता है। उन्हें छात्रावृत्तिया शुल्क छूट देकर शिक्षा के अवसर प्रदान कर सकता है।

10. विद्यालय रक्त् कोष के लिए छात्रों के माध्यम से रक्तदान का अभियान चलाकर समाज की सेवा करने का प्रयास कर
सकता है।

Presented by

Kusum Rathore

Thank you